NEWS / फटाफट

पीएम कौशल विकास के लिए 20 करोड़ मिले

देहरादून। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के पहले चरण के लिए उत्तराखंड को 20 करोड़ से अधिक की मंजूरी मिली है। योजना का चार साल का कुल लक्ष्य 20.5 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना है। इस सिलसिले में एमएसडीई की तरफ से उत्तराखंड कौशल विकास निगम को 2016-20 की अवधि के लिए उत्तराखंड में 48, 236 उम्मीदवारों के लिए अनुमोदन किया गया है। इसके लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के पहले चरण को पूरा करने के लिए उत्तराखंड कौशल विकास निगम को 20 करोड़ से अधिक की राशि का अनुमोदन किया गया है।

जिला योजना समिति की बैठक कल

पौड़ी। जिला योजना समिति की बैठक 29 जून को सुबह ग्यारह बजे से आयोजित की जाएगी। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री यशपाल आर्य करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि बैठक में जिला योजना वर्ष 2017-18 को अंतिम रूप दिया जाना है। उन्होंने बैठक में सभी विभागों को पूरी सूचनाओं के साथ बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश दिये हैं।

वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

मंगलौर। गुड मंडी से घर लौट रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसकी वजह से युवक की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई के बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के नजरपुरा गांव निवासी बबलू का 18 वर्षीय पुत्र कल्लू मोटरसाइकिल से किसी काम से मंगलौर मंडी परिसर में गया था। रात के समय वह मंडी से वापस गांव लौट रहा था। मंडी से निकलने के बाद जैसे ही वह कुरडी गांव के समीप पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिस पर वह सड़क पर गिर गया। किसी ने उसे पहचान लिया और परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे लेकर अस्पताल में पहुंचे, लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गंगनहर में डूबा युवक

रुड़की। सोलनी पार्क के समीप गंगनहर में डूबकर एक युवक लापता हो गया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने लापता युवक के साथी से पूछताछ शुरू कर दी है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पठानपुरा निवासी जमीर का पुत्र जामिन अब्बास अपने कुछ साथियों के साथ रुड़की के सोलानी पार्क में नहाने के लिए गया था। दोपहर के समय नहाते वक्त जामिन लापता हो गया। उसके दोस्तों ने गंगनहर में उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। इसके बाद दोस्तों ने इस बात की सूचना परिजनों को दी। इस पर परिजन भी उसकी तलाश में जुट गये। मंगलौर कस्बा चौकी पहुंचे परिजनों ने जामिन की हत्या की आशंका जताई है। इसके बाद पुलिस ने जामिन के एक दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

गुस्सा/ केन्द्रीय परिवहन मंत्री के खिलाफ की नारेबाजी

हाईवे जाम पर भड़के कांग्रेसी, किया प्रदर्शन

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हरिद्वार। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तरुण नैयर ने हाइवे जाम को लेकर राज्य सरकार एवं केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर हाईवे निर्माण में धीमी गति से निर्माण कार्य किये जाने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष तरुण नैयर ने कहा कि राज्य सरकार की उदासीनता साफ तौर पर नजर आ रही है। कांवड़ मेला प्रारंभ होने वाला है, लेकिन सरकार की तैयारियां शून्य मात्र नजर आ रही है।

हाईवे पर महीनों से जाम लगा हुआ है। हाईवे जाम मुक्त नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी हाईवे निर्माण को लेकर उदासीनता बरत रहे हैं। बाहर से आने वाले यात्री श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। वाहन घंटों हाईवे के जाम में फंसे हुए हैं किसी भी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है। मात्र झूठे आश्वासन देकर जनता को छलने का काम किया जा रहा है। हाईवे जाम के कारण हरिद्वार का व्यापार चौपट हो चला है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हाईवे निर्माण किया जाये वरना राज्य सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन छेड़ा जायेगा। ब्लॉक महासचिव शिवम गिरि ने कहा कहा कि जिला सचिव ओमप्रकाश शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि हाईवे जाम लोगों के लिए जी का जंजाल बन चुका है। स्थानीय निवासी हाईवे जाम के कारण अपने घरों में कैद हो गये हैं। उत्तरी हरिद्वार, भूपतवाला, खड़खड़ी भीमगोडा जाम की चपेट में आने से आये दिन नगर की सड़कों पर भी अव्यवस्थायें फैल रही है। कावंड़ मेला प्रारंभ होने वाला है, लेकिन राज्य सरकार कोई भी सुध नहीं ले रही है। कांग्रेसी नेता प्रदीप आहूजा ने कहा कि हरिद्वार का व्यापारी जाम के कारण हताशा के दौर से गुजर रहा है। आये दिन सड़कें वाहनों से पटी रहती है। रोजगार पर हाईवे जाम के कारण मंदी का असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। राज्य सरकार की नाकामियां साफ तौर पर देखी जा रही है।

प्रदर्शन करने वालों में दिव्यांश अग्रवाल, आयुष कुमार, अनुज सिंह, नितिन शर्मा, विनोद कश्यप, मोनू राणा, प्रदीप शर्मा, विवेक गोस्वामी, प्रदीप नेगी, सुनील गुप्ता, किरण सिंह, आकाश शर्मा, विनोद कश्यप, विवेक त्यागी, सोनू कुमार, विनोद कुमार, कमलकान्त, जीतू सिंह, अखिल कुमार, आदि शामिल रहे।

परेशानी
- यात्रियों-श्रद्धालुओं को झेलनी पड़ रही फजीहत
- कांवड़ मेला सिर पर पर हाइवे का हाल बुरा

मांसाहार करने वालों को 160 बीमारियों का खतरा : ज्ञान सागर

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

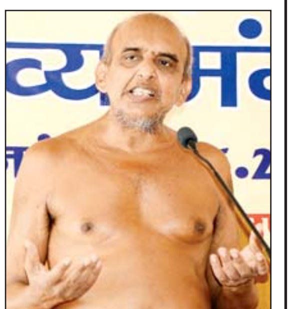

हरिद्वार। लालतारौ पुल निकट जैन मंदिर में पहुंचे आचार्य ज्ञान सागर महाराज दिगम्बर ने कहा कि भारतीय संस्कृति अपने आप अनेक धरोहर लिए है यह संस्कृति बलिदान, त्याग, सेवा, दया, समर्पण, भाईचारे, समानता के मूल्य लिए है। विश्व में ऐसी संस्कृति बहुत कम है, लेकिन बढ़ता हुआ भौतिकवाद इस संस्कृति के लिए एक खतरा है जिसने पूरे देश में एक गृहयुद्ध जैसा वातावरण पैदा कर दिया और जीवन को असंतुष्टि से भर दिया है जबकि यह देश मर्यादा पुरुषोतम श्री राम, भीष्म और श्रवण कुमार का देश है।

शाकाहार को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए उन्होंने पशु-पक्षियों के साथ-साथ समस्त जीवों पर दया का आह्वान किया। बताया की अंडा भी मांसाहार के वर्ग में आता है न की शाकाहार है और शाकाहारी भोजन के लिए ही मनुष्य की संरचना है क्योंकि मांसाहारी और शाकाहारी जीवों की संरचना अलग-अलग है। मांसाहारी व्यक्ति को 160 प्रकार की बीमारियों का खतरा लगा रहता है। कहा कि गंगा को बचाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किये जाने चाहिए और जन-जन को प्रशासन के साथ मिलकर गंगा बचाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल देकर कहा की गंगा की पवित्र धरा में कूड़ा, फटे पुराने कपड़े, किसी प्रकार की गंदगी आदि नहीं फेंके। इसके उपरांत तकनीक के प्रयोग पर विशेषकर इंटरनेट के प्रयोग पर जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा की विश्व स्वस्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 12 से 15 वर्ष की आयु के 25 प्रतिशत बच्चे अवसाद का शिकार हो रहे हैं और इंटरनेट का प्रयोग गैर जरूरी दिशा में हो रहा है जो समाज को पतन के रास्ते पर ले जाएगा।

इसलिए खाने के समय टीवी नहीं, रात 9 बजे के बाद कोई स्क्रीन नहीं, इस पर उन्होंने बिल गेट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा की धार्मिक स्थलों को धार्मिक ही रहने दीजिये उन्हें भोग विलास का स्थल मत बनाइये। यह पत्रकार वार्ता कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की के अध्यक्ष जेसी जैन के नेतृत्व में की गयी।

संदेश
- बढ़ता भौतिकवाद गृहयुद्ध जैसा वातावरण कर रहा पैदा
- गंगा बचाने को जन-जन को करना होगा प्रशासन का सहयोग
- खाने के समय टीवी नहीं, नौ बजे के बाद कोई स्क्रीन नहीं

निशंक को इंडो थाई चैंबर ऑफ कामर्स सम्मान

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री एवं लोकसभा सरकारी आश्वासन समिति के अध्यक्ष डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' को साहित्य, पर्यावरण और हिमालयी सरोकारों में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंडो थाई चैंबर ऑफ कामर्स सम्मान प्रदान किया गया।

थाईलैंड की राजकुमारी राजादरशी जयंकुरा ने डॉ. निशंक को यह सम्मान प्रदान करते हुए उनके साहित्यिक क्षेत्र में योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम में डॉ. निशंक की पुस्तक 'सपने जो सोने न दें' के अंग्रेजी अनुवाद का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में थाईलैंड बीजेपी के अध्यक्ष करण सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. कमल जीत सिंह के अलावा कई प्रसिद्ध उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर 'स्पर्श गंगा' अभियान की थाईलैंड ब्रांड एम्बेसडर के रूप में राजकुमारी जयंकुरा को नामित किया गया। अपने अभिभाषण में हिमालय और गंगा के संरक्षण को विश्व के लिए आवश्यक बताते हुए डॉ. निशंक ने कहा कि मानवता तभी बची रह सकती है। जब हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संवर्धन करें।

नदी में बहे चालक व परिचालक को बचाया

कलियर। शिवालिक पर्वत मालाओं में हुई तेज बारिश के साथ ही घाड़ की नदियों में भी पानी आ गया। मंगलवार की सुबह मोहंड रो नदी के तेज बहाव में खनिज सामग्री से लदा एक डंपर बह गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद बचाव दल ने चालक और क्लीनर को बचाया।

मंगलवार को बंजारेवाला स्थित एक स्टोन क्रशर से एक डंपर खनिज सामग्री लेकर जा रहा था। फतेहपुर निवासी चालक प्रदीप कुमार और क्लीनर अकरम जैसे ही मोहंड रो नदी में पहुंचे तो नदी का बहाव तेज हो गया। तेज बहाव में डंपर बहने लगा। इस पर दोनों ने शोर मचा दिया। साथ ही नदी में छलांग लगा दी। यह देखकर गोकुल के प्रधान रिजवान अहमद ने बुग्गावाला थानाध्यक्ष और तेलपुरा बाढ़ चौकी प्रभारी को इस बात की सूचना दी। इसके बाद टीम ने तेज बहाव में बह रहे दोनों को तेलपुरा पुल के पास पकड़ लिया। टीम ने दोनों को करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। नदी का पानी उतरने के बाद डंपर की तलाश की गई तो वह नदी में पलटा हुआ मिला। तहसीलदार अबरार हुसैन ने इस संबंध में बाढ़ चौकी प्रभारी से जानकारी ली और सतर्कता बरतने के निर्देश दिये।

इंसाफ न मिलने पर डीएम कार्यालय पर धरने की चेतावनी

बहादराबाद। जीवित किसान को मृतक दिखाकर जमीन हड़पने पर विभाग द्वारा कार्यवाही न होने पर राजेश पुत्र पीताम्बर निवासी रोहालकी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुये बताया कि उसके पिता की मृत्यु 28 जुलाई 2008 को हुयी थी, जबकि तहसीलदार व लेखपाल द्वारा 6 अगस्त 1997 में जीवित होते हुये बिना मृत्यु प्रमाण के ही मृतक तस्दीक करके भूमिहीन व भूमाफियों की मिलिभगत के उसके साथ धोखाधड़ी की। उसने राजस्व विभाग के कर्मचारियों व भूमाफियों के विरुद्ध 19 अक्टूबर 2015 से लगातार दोषियों के विरुद्ध प्रशानिक कार्यवाही की मांग करता रहा। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुयी। जिस पर उसने रिस्टोरेशन प्रार्थना पत्र दिया। सुनवाई के बाद उक्त भूमि पर क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी गयी। उक्त मामला न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन भूमाफियों उक्त भूमि पर जबरन निर्माण कार्य कर रहे हैं। उक्त निर्माण रुकवाने के लिये एसडीएम को एक प्रार्थनापत्र दिया गया। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। वह प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर काट काटकर परेशान है।

बारिश से गर्मी से मिली कुछ राहत

रुड़की। शिक्षानगरी और आसपास के देहात क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन भी झमाझम बारिश हुई। जिस वजह से लोगों को आग उगलती गर्मी से कुछ सुकून मिला। हालांकि बारिश के बाद जगह-जगह हुए जलभराव और कीचड़ से लोगों को मुसीबतों का भी सामना करना पड़ा।मंगलवार को सुबह से ही आसमान में काले घने बादलों ने अपना डेरा डाले रखा। काफी देर तक बादलों के उमड़ने-घुमड़ने के बाद सुबह करीब नौ बजे तेज बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश बहुत देर तक नहीं रही।

अंबेडकर चौक की चौकी पर लगा ताला

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हरिद्वार। ज्वालापुर के मिश्रित आबादी क्षेत्र में लोगों को और ज्यादा सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूर्व में पुलिस चौकी अम्बेडकर चौक पर बनाई गई थी। पुलिस विभाग द्वारा पुलिस चौकी को बड़े उत्साह के साथ रंगाई पुताई कराई गई थी कई वर्षो से चौकी के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ है। चौकी की घोषणा पूर्व में पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई थी, नहर में रहे एसएसपी द्वारा की गई थी, पुलिस चौकी तो बना दी गई, लेकिन आज तक पुलिसकर्मियों की तैनाती नहीं की गई है। अम्बेडकर चौक पर लगातार शरारती तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। मिश्रित आबादी होने के चलते कभी भी लड़ाई-झगड़े की संभावनायें भी बनी रहती है। ज्वालापुर के कड़च्छ में बनाई गई चौकी पर वर्षों से ही ताला लगा हुआ है। पुलिस चौकी की दीवारें भी खबर हो चुकी है।

क्षेत्र के लोग काफी असें से पुलिस चौकी को संचालित करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों की उदासीनता के चलते पुलिस चौकी संचालित नहीं हो पाई है जिसके चलते आये दिन शरारती तत्वों का कड़च्छ में जमावड़ा लगा रहता है। कई बार शराब पीकर हुड़दंग करने वाले लोगों को परेशान भी करते हैं। समय रहते ऐसे हुड़दंगियों पर पुलिस त्वरित कार्यवाही नहीं कर पाती है जिसके चलते लोगों में भय का माहौल भी बना रहता है।

कई बार शराब पीने वाले माहौल को खराब कर देते हैं स्थानीय निवासी तीर्थपाल रवि व शिवपाल का कहना है कि पुलिस चौकी को घोषणा काफी वर्षों पहले की गई थी, पुलिस चौकी का निर्माण कर दिया गया था पर पुलिस की तैनाती नहीं की गई है और काफी समय से पुलिस चौकी पर ताला लगा हुआ हैं। पुलिसकर्मियों की तैनाती नहीं होने से इस क्षेत्र में अपराध बढ़ रहे हैं। जबकि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध शराब कारोबारी सक्रिय रूप से शराब की सप्लाई करते हैं। कई बार क्षेत्र की महिलाओं द्वारा अवैध शराब के खिलाफ अभियान भी चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द पुलिस चौकी को बहाल कर पुलिस कर्मियों की तैनाती इस जगह पर की जानी चाहिये जिससे अपराध पर भी अंकुश लगेगा। शरारती तत्वों पर कानूनी कार्यवाही हो सकेगी।

अब तिरछे पुल से नहर में नहीं समाएंगे वाहन

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

धनौरी। धनौरी तिरछे पुल पर टूटी सुरक्षा दीवार की मरम्मत के साथ तिरछे पुल मोड़ के समीप वाहनों की सावधानी के लिए लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई विभाग उत्तरप्रदेश ने संयुक्त रूप से डाइवर्टिड संकेतांक लगाये हैं। जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

गौरतलब है कि धनौरी तिरछे पुल पर पिछले काफी समय से सुरक्षा दीवार टूटी हुई थी। पूर्व में भी सुरक्षा दीवार टूटे होने के कारण पुल पर कई दुर्घटनायें हो चुकी हैं। पिछले दिनों सुरक्षा दीवार का अन्य हिस्सा किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर तोड़ दिया। जिससे इस पुल पर स्थिति और गंभीर हो गयी थी। पिछले दो तीन वर्षों में यहां पर कई दुर्घटनायें हो चुकी हैं, इस तिरछे पुल पर कई वाहन तो गंगनहर में लटक चुके हैं और कई वाहन नहर में समा चुके हैं।

हरिद्वार-सहारनपुर मार्ग स्थित तिरछे पुल से भारी संख्या में लाइट एवं हैवी ट्रैफिक चलता है। जिससे तिरछे पुल पर सुरक्षा दीवार के अभाव में दुर्घटना होने की प्रबल संभावनाएं बनी हुई थी। वहीं सहायक अभियंता अवधेश शर्मा ने बताया कि तिरछे पुल पर टूटी सुरक्षा दीवार को सही करा दिया गया है। बड़े बोल्डर लगाकर तिरछे पुल को पूरी तरह से कवर कर दिया गया है, अब कोई भी वाहन तिरछे पुल से नहर में नहीं गिर पायेगा।

सुधार
- पीडब्ल्यूडी व सिंचाई विभाग ने बेहतर पहल कर टूटी दीवार बनाई
- दोनों विभागों की ओर से डाईवर्टिड संकेतांक भी लगाया गया

ऊर्जा निगम के 104 संविदा कर्मचारी हड़ताल पर गये

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

रुड़की। ऊर्जा निगम रुड़की मंडल में कार्यरत 104 संविदा कर्मचारी एक बार फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये हैं। इसकी वजह से कई बिजलीघरों पर कर्मचारी नहीं हैं। ऐसे में यदि लाइन ब्रेकडाउन हुई तो कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। हड़ताली कर्मचारी नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। ऊर्जा निगम रुड़की मंडल में पिछले 12 साल से कर्मचारी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं। लंबे समय से कर्मचारी नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं।

बावजूद इसके निगम की ओर से टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नये ठेकेदारों को टेंडर दिया जा रहा है। जिसकी वजह से 104 कर्मचारियों के परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। दो दिन तक पहले भी कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, इससे शहर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो गई थी। डीजीएम के आश्वासन पर कर्मचारियों ने दो दिन के लिये हड़ताल को स्थगित कर दिया था, लेकिन दो दिन में निगम की ओर से समस्या का हल नहीं किया गया। इस पर कर्मचारियों ने मंगलवार से फिर हड़ताल शुरू कर दी है। अधिशासी अभियंता दफ्तर के बाहर कर्मचारी धरना देकर बैठ गये। इस मौके पर अध्यक्ष फय्याज अहमद ने कहा कि जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाता है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। कोई भी कर्मचारी काम नहीं करेगा। इस मौके पर दिनेश चंद्र तिवारी, सुरेन्द्र शर्मा, देवेन्द्र कुमार, इरशाद, अमित भारद्वाज, संजीव कुमार, भूपेन्द्र, रईस, प्रवीण, नैन सिंह, ईशम गोयल, शमशेर, लोकेश, महेश जोशी, रविदत्त, गुरप्रीत, अनिल, विरेन्द्र, विकास कुमार, अमित आदि मौजूद रहे। वहीं अधिकारी कौशिक, कपिल कुमार मौजूद रहे। इस दौरान अधिशासी अभियंता ओपी सिंह, नवीन ... पर तो कर्मचारी ही नहीं मिल पाये।

कछुए गति से चल रहा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण

क्षेत्र के कई मार्ग अवरुद्ध होने से लग रहा जाम

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हरिद्वार। रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य धीमी गति से चलने के कारण हाइवे जाम से निजात नहीं मिल पा रही है। आये दिन हाइवे पर वाहनों का जाम लगा रहता है। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे ओवरब्रिज का कार्य काफी समय से किया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण निर्माण कार्य में तेजी नहीं आ पा रही है। जिन कारणों से शहर के कई मार्ग अवरुद्ध हैं। आर्यनगर चौक, रेलवे ज्वालापुर फाटक, सिंह द्वार चौक, प्रेमनगर चौक, चण्डीघाट चौक मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हैं।

रेलवे ब्रिज के निर्माण के चलते विभाग द्वारा जगह-जगह सड़कों को बैरिगेट्स लगाकर दो भागों में बांटा गया है। जिसके चलते जाम की स्थिति से सड़कें उबर नहीं पा रही हैं। लगातार वीकेन्ड पर वाहनों के रेले हाइवे पर लगे रहते हैं जिसका असर नगर की सड़कों पर भी देखने को मिल रहा है। आर्यनगर चौक एवं रेलवे फाटक पर आये दिन जाम लगने से वाहन चालकों की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। कटहरा बाजार ज्वालापुर में भी रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के कारण काफी असर पड़ रहा है। जबकि ऊंची सड़क लाल पुल के करीब यह रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण चलने से सड़क के दोनों किनारों पर व्यवसाय चला रहे दुकानदार भी काफी हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। कई महीनों से रोजगार ठप्प हो चुका है मार्ग अवरुद्ध होने के कारण दुकानों पर ग्राहक नहीं पहुंच पाते हैं। सैकड़ों व्यापारियों का रोजगार चौपट हो चला है।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि रेलवे विभाग के आला अधिकारियों को निर्माण कार्य का संज्ञान लेना चाहिये। कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाया जाये जिससे जल्द से जल्द रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण हो सके। बरसात शुरू हो चुकी है। सड़क के आस पास भारी मात्रा में मिट्टी फैली हुई है। जरा सी बारिश होते ही सड़क पर फिसलन हो जाती है जिन कारणों से काफी दिक्कतें स्थानीय व्यापारियों को झेलनी पड़ रही है। जल्द से जल्द रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण होना चाहिये जिससे लोगों को राहत मिल सके।

पहल/ संस्कार और सनातन पद्धति को पुनर्स्थापित करेंगे संत

भारत साधु समाज देश भर में लगाएगा पाठशाला

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हरिद्वार। भारत साधु समाज आने वाली पीढ़ियों में संस्कार भरने और सनातन पद्धति को पुनर्स्थापित करने का अनूठा अभियान देश भर में चलाने जा रहा है। देश भक्ति, मठ-मंदिरों की मान मर्यादा, गाय, गंगा और गीता को पुनर्स्थापित करने का बीड़ा अब संतों ने उठाया है। देश भर के संत भारत साधु समाज के बैनर तले जनजागरण अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। जनजागरण अभियान के तहत संतों से संपर्क साधने का सिलसिला शुरू कर दिया गया है।

भारत साधु समाज वर्तमान पीढ़ी, संस्कार, धर्म और हावी होते पाश्चात्य संस्कृति को लेकर बेहद चिंतित है। कुछ समय पहले ही शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती की मौजूदगी में श्री जयराम आश्रम में इस पर चिंता भी व्यक्त की गई। अब उनकी चिंता को आगे बढ़ाते हुए भारत साधु समाज के पदाधिकारियों ने देश भर में भारत साधु समाज के तहत संत समाज को लेकर जनजागरण अभियान चलाने जा रहा है। जिसमें आने वाली पीढ़ी में जो संस्कारों के दिखता अभाव और पाश्चात्य संस्कृति की ओर बच्चों के बढ़ते कदम पर बेहद चिंता जताई जा रही है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहे युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की ओर लाने का काम भी संत समाज करेगा। संस्कृति और हमारी सनातन पद्धति के ह्रास को रोकने का बीड़ा भी अब संत समाज उठाने जा रहा है।

पहल
- संस्कृत, गाय, गंगा, वेद, गीता पर रहेगा फोकस
- जनजागरण अभियान के तहत संतों से कर रहे संपर्क
- पाश्चात्य संस्कृति की ओर गए युवाओं को संस्कार से जोड़ेंगे

संस्कृत ऐसा विषय है जिसमें विज्ञान, आयुर्वेद और योग तीनों समाहित है। संस्कृत भाषा को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रत्येक प्रांत में संस्कृत विद्यालय, कर्मकांड विद्यालय, संस्कृत विवि खोलने की जरूरत है। हमारा किसी भाषा से विरोध नहीं है। भाषाओं की जननी संस्कृत है और उसे विलुप्त होने से बचाना होगा। इसके लिए अभियान चलाया जाएगा। अखाड़े, संप्रदाय के संत-महंतों से संपर्क किया जा रहा है।

ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारत साधु समाज, हरिद्वार

चिंतित संत समाज पूरे हिन्दुस्तान के कोने-कोने में इस अभियान को लेकर चलेगा। इसके अलावा देश भर में मठ मंदिरों की मान-मर्यादा, गाय, गंगा, गीता के अलावा सम्मानीय ग्रंथ जो हमारी संस्कृति की धरोहर हैं उन्हें पुनर्स्थापित करने का अभियान चलाएगा। संस्कृत भाषा के विकास के लिए विशेष तौर पर पहल की जाएगी। संतों का मानना है कि देश में सही होगा। यदि संस्कृत कमजोर पड़ गई तो संस्कार गढ़ना मुश्किल हो जाएगा। चारों वेदों को लेकर भी चिंता संतों ने की है।